

FANS की 10 वी वार्षिक आम बैठक (AGM) पर रिपोर्ट

दिनांक : 11 - 13 जुलाई, 2025

स्थान : साहिब रिजॉर्ट, बख्तावरपुर, दिल्ली

आयोजक: FANS का दिल्ली चैप्टर

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच FANS (Forum for Awareness of National security) के 10वीं वार्षिक बैठक दिल्ली स्थित सही फॉर्म एंड रिसोर्ट में दिनांक 11 जुलाई से 13 जुलाई 2025 को संपन्न हुई। तीन दिवसीय इस वार्षिक सभा के विभिन्न सत्रों में राष्ट्र के समक्ष उपस्थित चुनौतियों, भारत का गत 10 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय जगत में एक प्रभावी आवाज के रूप में उभरना FANS के पूरे देश में गत वर्ष में किए गए कार्यों का अवलोकन, संगठन के विस्तार वह भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा संठनात्मक सुदृढ़ीकरण हेतु आवश्यक नियुक्तियां आदि अनेक विषयों पर विचार व निर्णय लिए गए। तीन दिवसीय वार्षिक सभा के विस्तृत रिपोर्ट निम्न है :

FANS की 10वीं वार्षिक आमसभा के उद्घाटन सत्र पर रिपोर्ट –

दिनांक: की 11 जुलाई 2025

समय: शाम 6:00 बजे से

स्थान: साहब फार्म एंड रिजॉर्ट बख्तावरपुर दिल्ली

आयोजक राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (FANS) की दिल्ली शाखा

FANS के 10वीं वार्षिक आमसभा का उद्घाटन सत्र

दिनांक 11 जुलाई 2025

स्थान: साहब फार्म एंड रिजॉर्ट बख्तावरपुर दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (FANS) की 10वीं वार्षिक आमसभा (AGM) का उद्घाटन सत्र 11 जुलाई, 2025 की शाम को बड़े उत्साह और राष्ट्रवाद की प्रबल भावना के साथ शुरू हुआ। दिल्ली के बख्तावर पूर्व स्थिति शांत साहब फार्म एंड रिसोर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम ने संगठन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिन्हित किया, जिसे प्रतिनिधियों, सदस्यों और देश के विभिन्न भागों से सम्मानित अतिथिगण आए।

कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 3:00 से पंजीकरण के साथ हुई, जिसके बाद शाम 5:00 बजे हाई टि का आयोजन हुआ, जिसने आने वाले दिनों के लिए एक गर्मजोशी भरा और स्वागतपूर्ण माहौल तैयार किया।

कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6:00 बजे ज्ञान, एकता और प्रगति के प्रतीक, पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डॉ. सीमा सिंह जी ने कार्यक्रम का सुंदर और विचारपूर्ण संचालन किया, जिन्होंने स्वागत भाषण भी दिया और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

प्रमुख गणमान्य व्यक्ति और उनके संबोधन:

➤ माननीय डॉक्टर इंद्रेश कुमार जी, मार्गदर्शन, राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (FANS)

मुख्य अतिथि, डॉ. इंद्रेश कुमार जी ने एक प्रेरक और ज्ञानवर्धक मुख्य संबोधन दिया। उन्होंने संगठन को दस प्रभावशाली वर्ष पुरे करने पर बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा एक सामूहिक कर्तव्य है - केवल सशस्त्र बलों की जिम्मेदारी नहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा के सच्चे स्तंभ पर सांस्कृतिक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता में निहित है।

उन्होंने कहा, “यह वार्षिक आमसभा FANS के स्थिरता और विकास का प्रतीक है। यह इसके भविष्य की दिशा तय करने का एक मंच भी है।”

उन्होंने भारत के युवाओं में देशभक्ति, सेवा और सद्भावना के मूल्यों को स्थापित करने के संगठन के प्रयासों की भी सरहाना की।

➤ सरदार जसवीर सिंह जी (कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, FANS एवं पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग)

सरदार जसवीर सिंह जी ने सभी उपस्थित लोगों को स्वागत किया और FANS के प्रेरणादायक 10 वर्षों की यात्रा पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में संगठन की भूमिका का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया और सदस्यों से आग्रह किया कि वे इस बात पर विचार करें की FANS सुरक्षा नीति और जागरूकता में कैसे सार्थक योगदान दे सकता है।

उन्होंने राष्ट्रीय तैयारियों में नागरिक समाज के महत्व को उजागर करने के लिए वर्तमान वैश्विक संघर्षों - जैसे रूस - यूक्रेन युद्ध और इजरायल - ईरान तनाव का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और बताया कि कैसे भारत विश्व मंच पर शक्ति से शांति की ओर अग्रसर है।

भविष्य की ओर देखते हुए उन्होंने पुष्टि की FANS भारत @2047 के विजन को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और यह वचन दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (RSJM) इस राष्ट्रीय स्वप्न को साकार करने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करेगा।

उन्होंने कहा, “भारत आज केवल एक निष्क्रिय पर्यवेक्षक नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति और संतुलन में सक्रिय योगदानकर्ता है, और FANS को इस दृष्टिकोण के साथ जुड़ना चाहिए - जागरूकता, विचारों और कार्यवाई में योगदान देना चाहिए।”

➤ श्री मधुरेंद्र कुमार जी (वरिष्ठ संपादक, न्यूज नेशन)

श्री मधुरेंद्र कुमार जी ने एक केंद्रित और प्रभावशाली संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने FANS के मूल सिद्धांतों - पारदर्शिता, सेवा और भागीदारी - पर प्रकाश डाला। उन्होंने आत्म - मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया और युवाओं को एक सुरक्षित और एकजुट भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने दो प्रमुख सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित किया: आंतरिक और बाह्य, विशेष रूप से रोहिंग्या घुसपैठ, बांग्लादेश से अवैध प्रवासन और पश्चिम बंगाल और बिहार की राजनीतिक स्थितियों जैसे आंतरिक सुरक्षा खतरों पर जोर देते हुए। उन्होंने जोड़ देकर कहा कि 2014 के बादय भारत मजबूत आंतरिक सतर्कता के कारण बड़े आतंकवादी हमले पर मुक्त रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय एकता की रक्षा और आंतरिक विखंडन को रोकने के लिए CAA और NRC जैसी नीतियों के महत्व को रेखांकित किया, यूक्रेन में क्षेत्रीय संकटों के साथ समानताएं बताईं। यूक्रेन और इजराइल का उदाहरण देते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रवादी भावना, देशभक्ति और एक मजबूत रक्षा मानसिकता - स्कूलों से शुरू से शुरू हो जो आंतरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, और भारत को इसी तरह के मॉडल अपनाने चाहिए।

➤ श्री विजय क्रांति की (विचारक लेखक एवं अध्यक्ष हिमालय एशिया स्टडी एंड इंगेजमेंट)

श्री विजय क्रांति जी ने भारत के सामरिक उत्थान और हिमालयी एवं एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य में उसकी स्थिति पर एक सम्मोहक और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जन जागरूकता और नागरिक भागीदारी राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव हैं। उन्होंने कहा, "जागरूकता रक्षा की पहली पंक्ति है। जब नागरिकों को जानकारी होती है, तो राष्ट्र सशक्त होता है।"

उन्होंने इस बात पर विचार किया कि कैसे पिछले 10-11 वर्षों में भारत हिचकिचाहट की स्थिति से आत्मविश्वास और रणनीतिक स्पष्टता की स्थिति में पहुँच गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से चली आ रही हीन भावना समाप्त हो गई है। आज भारत सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक रूप से अधिक दृढ़ और आत्मनिर्भर है।

उन्होंने लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों में साहसिक बुनियादी ढाँचे के विकास की प्रशंसा की, जिन्हें पहले चीन की विस्तारवादी नीतियों के डर से टाला जाता था। उन्होंने इन उपलब्धियों के लिए मोदी सरकार की सराहना की और गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों की बहादुरी को रेखांकित करते हुए इसे भारत के सुरक्षा इतिहास का एक गौरवशाली क्षण बताया।

श्री विजय क्रांति ने पाकिस्तान के विरुद्ध एक रणनीतिक कदम, ऑपरेशन सिंदूर की भी प्रशंसा की और भारत की बढ़ती कूटनीतिक परिपक्वता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अब अपने असली मित्रों और शत्रुओं की पहचान कर चुका है। उन्होंने बाहरी दबावों से ऊपर भारत के राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने के लिए वर्तमान नेतृत्व की सराहना की।

उन्होंने कहा, "यह सरकार पहले भारत के बारे में सोचती है। अब यह दूसरों को खुश करने के बारे में नहीं है-यह अपने हितों की रक्षा और संवर्धन के बारे में है।"

संतुलित और समावेशी लहजे में, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हर मुसलमान राष्ट्र-विरोधी नहीं है, और अधिकतर लोग "भारत प्रथम" की भावना के तहत राष्ट्र के साथ खड़े हैं। उन्होंने उन लोगों की प्रशंसा की जो देश को सर्वोपरि मानते हैं और भारत की एकता और सुरक्षा में योगदान देते हैं।

उन्होंने एक सुरक्षित और संप्रभु भारत के लिए राष्ट्रवादी मानसिकता, मजबूत पड़ोसी जुड़ाव और निरंतर जागरूकता को प्रमुख उपकरण बताते हुए अपने भाषण का समापन किया।

➤ **मेजर जनरल सौरेश भट्टाचार्य जी, अध्यक्ष, दिल्ली चैप्टर (FANS) - विशेष अतिथि**

एजीएम के मेजबान और दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष मेजर जनरल भट्टाचार्य जी ने दिल्ली में 10वीं एजीएम के आयोजन पर गर्व व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, "राष्ट्र की सुरक्षा केवल रक्षा बलों तक ही सीमित नहीं है - यह नागरिक समाज तक भी फैली हुई है, और FANS जैसे संगठन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।"

उन्होंने राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने में एक सतर्क और जागरूक नागरिक समुदाय के महत्व पर जोर दिया।

➤ डॉ. इंद्रेश कुमार जी (मार्गदर्शक, राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच FANS) मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि डॉ. इंद्रेश कुमार जी ने एक प्रभावशाली और दूरदर्शी मुख्य भाषण दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने में FANS के दस वर्षों के प्रभावशाली कार्य की बधाई दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है, जो सशस्त्र बलों से आगे बढ़कर प्रत्येक नागरिक तक फैली हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक सुरक्षित राष्ट्र की असली नींव सांस्कृतिक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता में निहित है।

उन्होंने कहा, "यह वार्षिक आम बैठक FANS की स्थिरता और विकास का प्रतीक है। यह इसके भविष्य की दिशा तय करने का एक मंच भी है।"

उन्होंने भारत के युवाओं में देशभक्ति, सेवा और सामाजिक सद्भाव का संचार करने के लिए FANS की प्रशंसा की और संगठन से सोशल मीडिया और जमीनी स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से जन जागरूकता में एक मजबूत भूमिका निभाते रहने का आह्वान किया।

➤ **डॉ. कुमार ने आशा और लचीलेपन का एक शक्तिशाली संदेश दिया:**

"खोया जन भी आएगा, खोयी जमीन भी आयेगी"

(एक अनुस्मारक कि जो खो गया है - चाहे जीवन हो या भूमि - पुनः प्राप्त किया जा सकता है।)

उन्होंने चीन की आक्रामक सीमा स्थिति से जुड़ी गंभीर चिंताओं पर बात की और कहा कि जहाँ चीन की सीमा एक दीवार की तरह काम करती है, वहीं अतिक्रमण के बावजूद भारत का संकल्प और संप्रभुता अडिग है। उन्होंने धर्म, जाति, भाषा या जबरन धर्मांतरण के आधार पर विभाजन को पुरजोर तरीके से खारिज करते हुए कहा कि ऐसे कृत्य न तो नैतिक हैं और न ही संवैधानिक। इजराइल-ईरान संघर्ष जैसे वैश्विक मुद्दों पर बोलते हुए, उन्होंने भारतीयों से भारत की प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने और किसी विदेशी विचारधारा के एजेंट की तरह काम न करने का आग्रह किया। उन्होंने हिंसा की आड़ में इस्लामी भाईचारे के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी और पाकिस्तान में आंतरिक जातीय और धार्मिक संघर्ष पर प्रकाश डाला, जहाँ मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों पर हमले एक कठोर वास्तविकता हैं।

"आज का भारत अतीत का भारत नहीं है। यह नया भारत है - मजबूत, जागरूक और दृढ़,"

उन्होंने घोषणा की।

उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि भारत दुनिया के लिए एक आदर्श बन रहा है, प्रभुत्व के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने सार्वभौमिक, समावेशी विचारों के माध्यम से ऐसे- विचार जो, उनके शब्दों में, "कभी फीके नहीं पड़ेंगे।"

धन्यवाद ज्ञापन

➤ **श्री राजीव रंजन, दिल्ली चैप्टर – FANS**

FANS के दिल्ली चैप्टर का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री राजीव रंजन जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने डॉ. इंद्रेश कुमार जी, सभी सम्मानित अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिनिधियों और स्वयंसेवकों के प्रति उनकी उपस्थिति और बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे उद्घाटन सत्र एक यादगार सफलता बन गया।

द्वितीय दिवस - प्रथम सत्र की मुख्य विशेषताएँ (12-07-2025)

समय: सुबह 10:00 बजे दोपहर 1:30 बजे

सत्र संचालक: श्री विक्रमादित्य सिंह जी

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (RSJM) की 10वीं वार्षिक राष्ट्रीय आमसभा के दूसरे दिन की शुरुआत सुबह 10:00 बजे श्री विक्रमादित्य सिंह जी के संचालन में प्रथम सत्र के साथ हुई। यह सत्र देश भर की RSJM इकाइयों द्वारा वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत

करने के लिए समर्पित था। संगठन वर्तमान में सात प्रमुख क्षेत्रीय संरचना के माध्यम से संचालित होता है, जिसके अंतर्गत देश भर में 45 सक्रिय इकाइयां (चैप्टर्स) कार्यरत हैं।

इन सभी इकाइयों के प्रतिनिधियों ने पिछले वर्ष के अपने कार्यों और उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इन रिपोर्टों में जमीनी स्तर पर पहुँच, अभियान क्रियान्वयन, चुनौतियों और विभिन्न इकाइयों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र ने अंतर-इकाइयों की दृश्यता और परिचय को भी बढ़ावा दिया, आंतरिक समन्वय को मजबूत किया और भविष्य की रणनीतियों को आरएसजेएम के राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप बनाया।

दिन 2- दूसरा सत्र

समय: दोपहर 3:00 बजे

प्रस्तुति: डॉ. सीमा सिंह जी

वक्ता: मेजर जनरल सुरेश भट्टाचार्य जी (अध्यक्ष, दिल्ली चैप्टर- FANS)

तीसरे सत्र में, दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष मेजर जनरल सुरेश भट्टाचार्य जी ने "क्षेत्रीय स्थिरता में भारत की उभरती नेतृत्वकारी भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत अब न केवल एशिया में, बल्कि विश्व स्तर पर भी एक अग्रणी के रूप में उभर रहा है - दुनिया को स्थिरता, शांति और संतुलन की ओर ले जा रहा है। यह उभरती हुई भूमिका केवल सैन्य या आर्थिक शक्ति तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक नेतृत्व को भी दर्शाती है।

अपने गहन विश्लेषण में, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारत की नीति, नीयत और नेतृत्व ने क्षेत्रीय अस्थिरता के दौर में भी उसे एक विश्वसनीय और जिम्मेदार छवि प्रदान की है। उन्होंने इसकी तुलना पाकिस्तान से की, जो उनके अनुसार विफलता और उग्रवाद का प्रतीक बन गया है, जबकि भारत आज स्थिर लोकतंत्र, संयमित नेतृत्व और वैश्विक कूटनीति का प्रतिनिधित्व करता है।

मेजर जनरल भट्टाचार्य ने दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंधों पर भी जोर दिया। उन्होंने थाईलैंड (पूर्व में श्याम), कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे देशों के साथ प्राचीन संबंधों का उल्लेख किया और बताया कि कैसे ये क्षेत्र भारत के प्रभाव को दर्शाते हैं। उन्होंने सिल्क रोड पर चर्चा की और बताया कि कैसे चीनी विद्वान ज्ञान प्राप्त करने के लिए भारत आए थे - और भारत की समृद्ध बौद्धिक परंपरा पर जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि भारत अपनी विदेश नीति और कूटनीतिक रणनीति पर पुनर्विचार करे और उसे नया रूप दे, और यह सुनिश्चित करे कि वह सबसे पहले अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हो।

➤ **मेजर जनरल अनुज माथुर जी, वीएसएम, विषय: "अब और पाकिस्तान नहीं नारे से रणनीतिक नीति तक"**

अपने विचारोत्तेजक दूसरे संबोधन में, मेजर जनरल अनुज माथुर जी. वीएसएम ने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि भारत "अब और पाकिस्तान नहीं" के नारे को एक स्पष्ट और कार्यान्वयन योग्य राष्ट्रीय नीति में बदले।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने बार-बार भारत की संप्रभुता, शांति और नागरिक सुरक्षा को चुनौती दी है चाहे वह कश्मीर में छद्म युद्धों के माध्यम से हो, ड्रोन हमलों के माध्यम से हो, या सीमा पार आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से हो।

उन्होंने घोषणा की, "भारत को अब आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान को आतंकवाद की फैक्ट्री के रूप में पहचानना चाहिए।"

उन्होंने श्रोताओं को यह भी याद दिलाया कि 1945 में भारत की रक्षा क्षमता 25 लाख थी - जो दुनिया में सबसे बड़ी थी, लेकिन औपनिवेशिक शक्तियों, विशेष रूप से ब्रिटेन ने जानबूझकर भारत को विभाजित किया ताकि उसका वैश्विक प्रभाव कमजोर हो।

मेजर जनरल माथुर ने भारत की सैन्य क्षमताओं को व्यवस्थित रूप से मजबूत करने और देश के सामरिक, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक आत्मविश्वास को बहाल करने करने में वर्तमान सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राष्ट्रीय हित में निहित एक साहसिक और समझौताहीन सुरक्षा सिद्धांत की आवश्यकता पर जोर देते हुए निष्कर्ष निकाला कि "अब समय आ गया है कि भारत स्पष्टता और दृढ़ता के साथ कार्य करे - केवल नारे नहीं, बल्कि ठोस नीति।"

➤ **डॉ. रॉबिन हिसांग विषय: "चीन का जल बम: भारत के लिए एक मौन खतरा"**

जल भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जाने-माने विशेषज्ञ, डॉ. रॉबिन हिसांग ने सीमा पार की नदियों, विशेषकर तिब्बत से निकलने वाली नदियों पर चीन के आक्रामक नियंत्रण के विषय पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

उन्होंने चेतावनी दी कि चीन की बड़े पैमाने पर जल भंडारण और जल मोड़ परियोजनाएँ भारत और दक्षिण एशिया के लिए एक "मौन लेकिन विनाशकारी खतरे" के रूप में उभर रही हैं। ये गतिविधियाँ पारंपरिक सैन्य कदम नहीं हैं, बल्कि जल विज्ञान संबंधी हेरफेर के माध्यम से दबाव के एक नए रूप का प्रतिनिधित्व करती हैं।

डॉ. हिसांग ने कहा, "खतरा हथियारों से नहीं, बल्कि नदियों के हेरफेर से आ रहा है।"

डॉ. हिसांग ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह का नियंत्रण भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और क्षेत्रीय शांति के लिए एक गंभीर खतरा है। उन्होंने इस नीति को एक रणनीतिक "जल बम" बताया।

जिससे चीन नदियों के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है - संभावित रूप से नीचे की ओर कृत्रिम सूखा या बाढ़ पैदा कर सकता है।

उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के सामरिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह क्षेत्र भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए एक महत्वपूर्ण सीमा बन सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के लगातार विवाद और उसकी जल मोड़ने की रणनीति, क्षेत्रीय और पर्यावरणीय दोनों मोर्चा पर भारत पर दबाव बनाने के उसके सुनियोजित दृष्टिकोण को उजागर करती है।

➤ **भारत की सीमाएँ अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं- संजय कुंडू**

हिमाचल प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक, श्री संजय कुंडू ने कहा कि भारत में, विशेष रूप से अपनी सीमा रणनीति में, महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहले की तुलना में भारत अपने सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है।

आज, भारत न केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा कर रहा है, बल्कि सड़कों और संपर्क जैसे बुनियादी ढाँचे का विस्तार भी अंतिम गाँव तक कर रहा है, जिसे उन्होंने एक अत्यंत महत्वपूर्ण विकास बताया।

अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार रणनीतिक सुधार किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि ये रणनीतिक बदलाव समय पर नहीं होते, तो भारत को चीन और पाकिस्तान से और भी बड़ी चुनौतियों और नुकसान का सामना करना पड़ सकता था।

यह बदलाव एक नए भारत को दर्शाता है - अधिक मजबूत, अधिक तैयार और अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा पर केंद्रित।

➤ **जामिया मिलिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रो, डॉ मेहताब आलम रिजवी ने हिमालय-हिंद महासागर राष्ट्र समूह (HHRs) की चर्चा की।**

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिमालय केवल एक भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सांस्कृतिक सुरक्षा, स्थानीय जीवन की गरिमा और राष्ट्रीय संप्रभुता आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं।

उन्होंने दृढ़ता से कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत की सर्वोच्च राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। प्रो. रिजवी ने भारत की उत्तरी सीमाओं पर चीन की गतिविधियों, जिनमें बुनियादी ढाँचे का विकास, कृत्रिम गाँवों का निर्माण और स्थानों का नाम बदलना शामिल है, पर चिंता व्यक्त की और इन्हें न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा, बल्कि स्थानीय आबादी के मानवाधिकारों के लिए भी सीधा खतरा बताया।

महत्वपूर्ण रूप से, उन्होंने "हिमालय-हिंद महासागर राष्ट्र समूह (HHRs)" की रणनीतिक प्रासंगिकता पर जोर दिया, जो एक ऐसा दृष्टिकोण है जो हिमालयी सीमाओं को हिंद महासागर के साथ एक व्यापक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा ढाँचे के हिस्से के रूप में एकीकृत करता है। उनके अनुसार, यह अवधारणा पूरे एशिया में सुरक्षा, सांस्कृतिक एकता और भू-राजनीतिक संतुलन बनाए रखने में भारत की अग्रणी भूमिका को दर्शाती है। भारत को इस एकीकृत क्षेत्र की सुरक्षा में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए, जो इसकी दीर्घकालिक प्रभुता और स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

12 जुलाई, 2025 को दूसरे सत्र का समापन श्री जसवीर सिंह जी द्वारा दिए गए विचारशील धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने सभी वक्ताओं द्वारा दिए गए व्यावहारिक योगदान की सराहना की। अपने संबोधन में, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब समय आ गया है कि भारत पाकिस्तान से रणनीतिक रूप से अलग हो जाए, नारों से आगे बढ़कर नीति-स्तरीय निर्णयों पर ध्यान केंद्रित करे।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) अब भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश मामलों में गहरी और अधिक प्रत्यक्ष रुचि ले रहा है। श्री जसवीर सिंह ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सीमाओं को एक रणनीतिक प्राथमिकता बना दिया है - यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक मंत्रालय नियमित रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करे। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल सुरक्षा और रणनीतिक चिंताओं के समाधान के लिए आवश्यक है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक है कि सीमावर्ती समुदाय सक्रिय रूप से शामिल हों और मुख्यधारा की राष्ट्रीय नीति से अलग-थलग न रहें।

तीसरा सत्र

दिनांक 12 जुलाई 2025

समय: शाम 6:30 बजे से रात 8:30 बजे तक

अवसर: 10वीं वार्षिक राष्ट्रीय महासभा

सत्र का विषय: आगामी पहलों के लिए रणनीतिक योजना

संचालक: श्री विक्रमादित्य जी

मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्ति: श्री माननीय इंद्रेश कुमार जी, डॉ. वर्णिका शर्मा जी, श्री जसबीर सिंह जी

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (आरएसजेएम) की दसवीं वार्षिक राष्ट्रीय आमसभा का तीसरा सत्र 12 जुलाई 2025 की शाम को आयोजित हुआ, जिसमें आगामी वर्ष के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री विक्रमादित्य जी द्वारा संचालित।

इस सत्र में संगठन के राष्ट्रीय प्रभाव और पहुँच को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रमुख रणनीतिक विचार-विमर्श हुए।

मंच पर सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों - श्री मा. इंद्रेश कुमार जी, डॉ. वर्णिका शर्मा जी और श्री जसवीर सिंह जी की उपस्थिति ने गरिमा प्रदान की, जिनकी दूरदर्शिता और अनुभव ने इस चर्चा की दिशा निर्धारित करने में मदद की।

सत्र की शुरुआत चल रही पहलों की गहन समीक्षा के साथ हुई और फिर आगे की योजना बनाने पर चर्चा हुई। देश भर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने जमीनी स्तर पर आरएसजेएम की दृश्यता और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए प्रस्ताव और रणनीतियाँ साझा कीं। युवाओं और स्थानीय समुदायों के साथ अधिक जुड़ाव पर जोर देते हुए, राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान को तेज करने पर एक मजबूत सहमति बनी।

➤ **आगामी महीनों के लिए प्रस्तावित अभियानों में शामिल हैं:**

- "अब और पाकिस्तान नहीं" "No More Pakistan" विशेष रूप से निरंतर सीमा पार खतरों के आलोक में, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों में एक निर्णायक नीतिगत बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित करने के लिए एक शक्तिशाली अभियान।
- "विशाल भारत संकल्प" - सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से एकीकृत भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।
- "नशा मुक्त भारत" मादक द्रव्यों के सेवन के विरुद्ध जन जागरूकता और सामुदायिक कार्रवाई बढ़ाने के उद्देश्य से।
- "साइबर अपराध के प्रति जागरूकता" - डिजिटल सुरक्षा और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के बारे में जनता को शिक्षित करने पर केंद्रित।
- ये अभियान जम्मू और कश्मीर, अमृतसर, पठानकोट, कोलकाता और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों और क्षेत्रों के लिए निर्धारित हैं, जो राष्ट्रीय जागरूकता और लामबंदी के लिए एक रणनीतिक रूप से लक्षित दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।
- चल रहे सदस्यता अभियान की एक विस्तृत समीक्षा भी प्रस्तुत की गई। मध्य, पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से युवा वर्ग से बढ़ती भागीदारी और उत्साह की सूचना दी। प्रभावशाली अभियानों को बढ़ावा देने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी, जैसे: हिमालय से हिन्द महासागर,
 - "हिमालय से हिन्द महासागर" - हिमालयी क्षेत्र के साथ भारत के सभ्यतागत और रणनीतिक संबंधों को सुदृढ़ करना।
 - "अखंड भारत संकल्प" विशाल (अखण्ड)
 - "नारी शक्ति जागरण अभियान राष्ट्रीय विमर्श में महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण को उजागर करना।

दिन का समापन एक भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ, जिसमें भारत की समृद्ध विरासत और देशभक्ति की भावना का जश्र मनाया गया जो कार्यवाही के दूसरे दिन का एक जीवंत और चिंतनशील समापन था।

तीसरा दिन: पहला सत्र और उसके बाद समापन सत्र

दिनांक: 13 जुलाई 2025

समय: सुबह 10:00 बजे से

सत्र संचालक: श्री विक्रमादित्य सिंह जी

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (आरएसजेएम) की दसवीं वार्षिक राष्ट्रीय आमसभा का अंतिम दिन श्री विक्रमादित्य सिंह जी के संचालन में एक गहन और क्रियाशील सत्र के साथ शुरू हुआ। इस सत्र में पिछले दो दिनों की चर्चाओं और प्रमुख परिणामों को समाहित करने के साथ-साथ दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा निर्धारित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

दिन का दूसरा सत्र राष्ट्रीय सदस्यता अभियान की व्यापक समीक्षा पर केंद्रित था। मध्य, पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी और पूर्वोत्तर भारत की इकाइयों ने भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, विशेष रूप से युवाओं में बढ़ते उत्साह को उजागर किया। इस सत्र में आरएसजेएम के राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की गति गति को रेखांकित किया गया।

सत्र की शुरुआत पिछले सभी सत्रों में हुए महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के संक्षिप्त पुनर्कथन के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा स्थिरता, वैचारिक जागरूकता और नागरिक सहभागिता पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने जमीनी स्तर और नीतिगत दोनों स्तरों पर आरएसजेएम के बढ़ते प्रभाव पर जोर दिया।

कई प्रतिनिधियों ने अपने समापन भाषण प्रस्तुत किए, जिनमें आरएसजेएम के मिशन को आगे बढ़ाने में युवा सहभागिता, सामुदायिक लामबंदी और तकनीकी एकीकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने निम्नलिखित अभियानों की गति को तेज करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई:

- अब और पाकिस्तान नहीं
- अखंड भारत संकल्प
- हिमालय - हिन्द महासागर राष्ट्र समूह (HHRs)
- साइबर सुरक्षा जागरूकता
- महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय चेतना

अंतर-इकाई सहयोग बढ़ाने, स्वयंसेवकों के लिए संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू करने और उभरती राष्ट्रीय एवं वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के साथ आरएसजेएम की अवधारणा को सँरेखित करने पर एक ठोस सहमति बनी।

अपने संचालन में, श्री विक्रमादित्य सिंह जी ने वैचारिक स्पष्टता, अनुशासित-संगठनात्मक संरचना और एक दूरदर्शी रोडमैप के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी इकाइयों को स्थानीय समुदायों के साथ निरंतर जुड़ाव बनाए रखने और सुरक्षा एवं संप्रभुता पर राष्ट्रीय विमर्श में सक्रिय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह सत्र वार्षिक सभा के विषयगत संवादों का एक चिंतनशील समापन और उद्देश्य, एकता एवं राष्ट्रीय समर्पण की एक दूरदर्शी घोषणा दोनों के रूप में कार्य किया।

➤ गोरखपुर इकाई के आगामी राष्ट्रवादी कार्यक्रम

- गोरखपुर इकाई ने युवाओं में राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा देने और भारत की सुरक्षा, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आगामी देशभक्ति पहलों की एक विस्तृत सूची की घोषणा की
- 13 से 17 अगस्त 2025 दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय और एम.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज में "अब और पाकिस्तान नहीं जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।
- 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस) - "अनुशासन ही राष्ट्र की आत्मा है" विशेष प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
- 16 फरवरी 2026 (बलिदान दिवस) कुशीनगर से पिथौरागढ़ तक एक "शौर्य यात्रा" (शौर्य मार्च) आयोजित की जाएगी, जो व्यापक "विशाल भारत अभियान" का हिस्सा होगी।
- 23 जनवरी 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर "भारत भूमि को प्रणाम" शीर्षक से एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

- 14 अप्रैल 2026 को अंबेडकर जयंती को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाएगा, जो आरएसजेएम की संवैधानिक मूल्यों और समावेशी राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगा।
- एक राष्ट्रव्यापी "तिरंगा यात्रा" (ध्वज मार्च) भी आयोजित की जाएगी, जहाँ देशभक्ति की सामूहिक पुष्टि के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय ध्वज को औपचारिक रूप से फहराया जाएगा।

➤ पश्चिमी क्षेत्र की योजनाएँ: सीमा पर राष्ट्रवाद

पश्चिमी क्षेत्र ने "अब और पाकिस्तान नहीं" अभियान के तहत शक्तिशाली पहलों की घोषणा की:

- 14 अगस्त 2025 को, श्रीगंगानगर सीमा पर अमर भारत अभियान और "विशाल भारत भूमि स्पर्श कार्यक्रम" आयोजित किया जाएगा, जो भारत की शाश्वत शक्ति और संप्रभुता का प्रतीक होगा।
- 5 अगस्त से 15 अगस्त के बीच, पूरे क्षेत्र में स्थानीय कार्यक्रमों और विशेष संवादों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

यह सत्र आने वाले वर्ष में सुरक्षा, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव पर राष्ट्रीय आख्यान को आगे बढ़ाने के लिए आरएसजेएम की क्षेत्रीय इकाइयों की अपार ऊर्जा और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

➤ अरुणाचल प्रदेश चैप्टर: रणनीतिक पहल और सहभागिताएँ

अरुणाचल प्रदेश चैप्टर ने राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा सहभागिता और संस्थागत सहयोग पर जोर देते हुए प्रभावशाली और भविष्योन्मुखी कार्यक्रमों का अपना रोडमैप प्रस्तुत किया। मुख्य अंश इस प्रकार हैं:

- 14 अगस्त 2025 विशाल भारत कार्यक्रम, "विशाल भारत" अभियान के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र के स्थानीय समुदायों में देशभक्ति की भावना और एकता को बल मिलेगा।
- "स्वर्गीय दोरजी खांडू चेंबर" की स्थापना: पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय दोरजी खांडू के सम्मान में, अरुणाचल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा मामलों के प्रबंधन के लिए एक विशेष चेंबर की स्थापना के प्रयास किये जायेंगे। इस चेंबर का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों और राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित रणनीतिक अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देना है।
- 3 अक्टूबर 2025 साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, सरकारी कॉलेज, सेप्या (पूर्वी कामेंग जिला) में साइबर सुरक्षा पर एक समर्पित कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय युवाओं को, विशेष रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में, डिजिटल सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना है।
- सदस्यता आधार का विस्तार, राज्य में FANS (राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता मंच) में कई नए सदस्य शामिल हुए हैं, जो युवाओं और नागरिक समाज में बढ़ती जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- प्रमुख सीमावर्ती स्थानों का दौरा, चैप्टर के प्रतिनिधिमंडलों द्वारा तवांग युद्ध स्मारक का रणनीतिक दौरा, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय निरीक्षण में भाग लेना, जिसका उद्देश्य भारत की सीमावर्ती बस्तियों के समग्र विकास का आकलन और योगदान करना है। ये पहल भारत की सीमा सुरक्षा, क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय एकीकरण के प्रयासों में योगदान देने में अरुणाचल प्रदेश की सक्रिय और रणनीतिक भूमिका को दर्शाती दर्शायेगी।

➤ अन्य क्षेत्रीय चैप्टर्स

इन चैप्टरों के अलावा, देश भर में कई अन्य क्षेत्रीय चैप्टर राष्ट्रीय उद्देश्यों से जुड़े आगामी कार्यक्रमों और रणनीतिक पहलों की योजना बनाने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। ये चैप्टर वर्तमान में अपनी कार्ययोजनाओं को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं और जल्द ही राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता, युवा जुड़ाव, सीमा संपर्क और सांस्कृतिक एकीकरण पर केंद्रित गतिविधियों की एक श्रृंखला की घोषणा करेंगे। उनका भविष्य का दृष्टिकोण राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के व्यापक मिशन में सार्थक योगदान देने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

समापन सत्र: "एक संगठित भारत के लिए एक नई दिशा"

दिनांक: 13 जुलाई 2025

मुख्य अतिथि: माननीय श्री इंद्रेश कुमार जी

स्थान: राष्ट्रीय महासभा, तीसरा दिन, अंतिम सत्र

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (आरएसजेएम) की तीन दिवसीय 10वीं वार्षिक आम बैठक “नवीन दिशा, संगठित भारत” विषय पर केंद्रित एक प्रभावशाली अंतिम सत्र के साथ संपन्न हुई। इस सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री इंद्रेश कुमार जी की उपस्थिति रही, जिनके गहन संबोधन ने चर्चाओं को और भी गहराई और स्पष्टता प्रदान की।

समापन सत्र के दौरान कई विशिष्ट अतिथियों ने सभा को संबोधित किया, जिनमें शामिल हैं:

सरदार जसबीर सिंह जी, डॉ. वर्णिका शर्मा जी, मेजर सुरेश भट्टाचार्य जी, और प्रो. मजहर आसिफ जी (कुलपति, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय)।

उनके प्रेरक शब्दों ने इस अवसर की गरिमा को बढ़ाया और उपस्थित युवाओं के साथ गहराई से जुड़कर उनमें देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना की एक नई भावना का संचार किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता मंच (FANS) की 10वीं वार्षिक आम बैठक के समापन सत्र में, संगठन के मार्गदर्शक, माननीय श्री इंद्रेश कुमार जी ने एक प्रभावशाली और विचारोत्तेजक मुख्य भाषण दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि: “भारत को न केवल अपनी भौतिक सीमाओं की, बल्कि अपनी वैचारिक और सांस्कृतिक सीमाओं की भी रक्षा करनी चाहिए।”

पाकिस्तान द्वारा उत्पन्न निरंतर खतरे पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा: “जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के कारखाने के रूप में काम करता रहेगा, भारत की सुरक्षा अधूरी रहेगी। ‘अब और पाकिस्तान नहीं’ केवल एक नारा नहीं रह गया है - इसे अब हमारी राष्ट्रीय नीति का केंद्र बनना होगा।”

श्री इंद्रेश कुमार जी ने भारत के युवाओं से राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने भविष्य के वैश्विक संघर्षों की प्रकृति को रेखांकित करते हुए कहा:

“आने वाला युग न केवल भू-भाग, बल्कि जल संसाधनों, विचारधाराओं और संस्कृति को लेकर भी संघर्षों का साक्षी होगा। भारत को इन उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सतर्क, जागरूक और एकजुट रहना होगा।”

श्री इंद्रेश कुमार जी ने अपने उद्बोधन के दौरान कुछ संगठनात्मक घोषणाओं भी की जो निम्न प्रकार हैं:-

हमारे वरिष्ठजन जिन्होंने गत 10 वर्षों में अपने अनुभव, प्रतिबद्धता व ज्ञान से इस संगठन की सेवा की उन्हें शामिल कर संरक्षक मण्डल की घोषणा की:

संरक्षक मण्डल		
S.No	Name	Address
1	Air Marshal (Dr) R C Bajpai (retd.) (PVSM, AVSM)	373 SFS Apts, Hauz Khas New Delhi-110016
2	Shri Aarya Bhushan Shukla, IAS (retd.)	D-3, M S Flats, B K S Marg Delhi
3	Chief Justice Permod Kohli (retd.)	S-451, GK-II, New Delhi 110048
4	Lt Gen (Dr.) Rajnandan Singh	4K 801, Gurjinder ViharAwho Township, Sector, CHI-1 Greater Noida
5	Shri Swami Parnav Sudhan Gyan Tapaswi	Santhigiri Ashram Thumbala Po Gargaeswari SOT Narasipura, Mysore Karnataka 571110

इस संरक्षक मण्डल का आवश्यकतानुसार भविष्य में विस्तार भी किया जायेगा।

श्री इंद्रेश कुमार जी ने संगठन के क्रियाकलापों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु 8 सदस्यों की संचालन समिति की घोषणा की।

संचालन समिति			
S. No.	Name	Designation	Address
1	Shri Jasbir Singh	Executive Chairman	C-24, Bhagat Singh Marg, Tilak Nagar, Jaipur - 302003

2	Shri Raj Kishor Prajapati	National General Secretary	S.C.F 43/3, Sector 18 D Chandigarh, 160018
3	Dr. Varnika Sharma	National General Secretary First Addhyaksh Baal Kalyaan Ayog, Chhattisgarh	MIG 2/6, Chhattisgarh Housing Board Colony, Ring road no.3, Front of Harsh Petrol pump, Pirda -2 Raipur Chhattisgarh, 492101
4	Shri Vikkramaditya Singh	National General Secretary Org.	Greater Kailash part 2 M block 131 new delhi 110048
5	Shri Golok Bihari Rai	Member	Khanna Bhawan, Chandra Lok Chowk, Muzaffarpur-842002
6	Shri Mahtab Alam Rizvi	Member	Room no 16, Nelson Mandela Centre for Peace and Conflict Resolution Get no.19 ,Noem Chomsky Building Jamia Millia Islamia University New Delhi-110025
7	Shri S. K. Raut Ex-DGP	Member	Bhopal
8	Shri A.P. Rawat Ex-DGP	Member	Guwahati

श्री इंद्रेश कुमार जी ने 7 स्थानीय इकाईयों में भी कुछ परिवर्तनों की घोषणा की:

स्थानीय इकाईयों में दिये गये उत्तरदायित्व

1. मुंबई इकाई

एडवोकेट मिलिंद कपाड़े-महासचिव

2. देहरादून इकाई

पुनीत नंदा-संयोजक

3. जम्मू इकाई

तरूण बहल -संयोजक

4. अमृतसर इकाई

सरदार मनमोहन सिंह रंधावा महासचिव

5. चंडीगढ़ इकाई

डॉ. बी. यादव-मुख्य मार्गदर्शक

सेवानिवृत्त मेजर जनरल अध्यक्ष अनिल खोसला

श्री परमजीत सिंह-उपाध्यक्ष श्री राहुल शर्मा महासचिव

श्री निखिल वर्मा-कोषाध्यक्ष अधिवक्ता उर्वशी दुग्गाल-सचिव

अधिवक्ता शशांक भंडारी जनसम्पर्क अधिकारी (प्रवक्ता)

6. वड़ोदरा इकाई

डॉ. अंशुल उपाध्याय-उपाध्यक्ष

सी सुनील कहार-महासचिव श्री चिराग शाह-महासचिव

7. दुर्ग भिलाई इकाई

प्रोफ. (डॉ.) एन पी दीक्षित-अध्यक्ष

असिस्टेंट प्रोफेसर (डॉ) शकील हुसैन महामंत्री

2025-26 हेतु पुर्नगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची Annuxure-A में संलग्न है।

अपने समापन भाषण में, उन्होंने FANS की 10वीं वार्षिक आम बैठक के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिनिधियों, आयोजकों और राष्ट्रीय टीम को बधाई दी। उन्होंने सभी को राष्ट्रीय हित के प्रति सतर्क, सक्रिय और प्रतिबद्ध रहने का आग्रह करते हुए अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दी। **विशेषतौर पर वार्षिकसभा के आयोजनकर्ता दिल्ली इकाई के सभी पदाधिकारियों का मंच पर माननीय श्री इंद्रेश जी द्वारा सम्मान किया गया।**

13 जुलाई 2025 को संपन्न होने वाले FANS की 10वीं वार्षिक आम बैठक के अंतिम सत्र के बाद दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया, जो न केवल तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन था, बल्कि राष्ट्रीय सेवा और रणनीतिक कार्रवाई के लिए नए समर्पण की शुरुआत भी थी।

अन्त में राष्ट्रगान के साथ वार्षिक सभा समाप्त हुयी।

Annuxure-A

National Executive Committee			
S.No.	Name	Designation	Place/ Chapter
1	Shri Jasbir Singh	Working President	Jaipur
2	Shri Rajpal Singh IPS (retd.)	Vice President	Gurugram
3	Shrimati vidya vyas	Vice President	Ujjain
4	Maj. Gen. Anuj Mathur	Vice President	Jaipur
5	Shri J. P. Shrama ADV	Vice President	Delhi
6	Lt Gen. Nishikant Singh	Vice President	Imphal
7	Shri. V Balachandran IPS Retd., Ex DGP	Vice President	Chennai
8	Smt. Dr. Varnika Sharma	Gen Secretary (First)	Raipur
9	Shri Vikkaramaditya Singh	Gen Secretary (Org.)	Delhi
10	Shri Era Mayppan	Gen Secretary	Chennai
11	Shri Rajkishor Prajapati	Gen Secretary	Chandigarh
12	Prof. (Dr.) Mahtab Alam Rizvi	Gen Secretary	Delhi
13	Shri Rajnish Tyagi	Secretary	Agra
14	Shrimati Diya Rathore	Secretary	Shillong
15	Shri Vinayak Kale	Secretary	Mumbai
16	Shri Rajesh Mahajan	Secretary	Delhi
17	Dr. Gouri Shankar Sahu	Secretary	Dharmshala
18	Grish Chawala Rtd. IG	Secretary	Rajasthan
19	Shri Birendra Kumar Chaudhry Adv.	Treasurer	Delhi
20	Prof. (Dr.) Gurmit Singh Ex VC	Member	Delhi
21	Maj. Gen. J.K. Grewal	Member	Amritsar
22	Santosh Kumar Rout (retd.) IPS Ex VC	Member	Bhopal
23	Prof. Dr. Mazhar Asif	Member	Delhi

24	Shri Sudhakar Divedi	Member	Delhi
25	Prof. Dr. Amar Kumar Chaudhry	Member	Ranchi
26	Smt. Sanghamitra Rajaguru	Member	Bhubaneswar
27	Shri Anil Soumitra	Member	Jammu
28	Shri Shivaji Sarkar	Member	Delhi
29	Shri Gi.Gi. C George	Member	Faridabad
30	Dr. Ritesh Rai	Member	Pondicherry
31	Shri Mandeep Agrawaal	Member	Patiala
32	Shri A. P. Rawat (retd.) IPS, Ex CIC Assam	Member	Assam,
33	Prof. Radheshyam Sharma Ex.VC.	Member	Haryana
34	Shri Arun Kumar (Adv.)	Member	Delhi
35	Shri Rajesh Kumar Adv.	Member	Ghaziabad
36	Shri Dharendra Singh	Member	Patna
37	Prof. Pawan Kumr	Member	Delhi
38	Shri Vijay Kumar Sharma	Member	Delhi
39	Dr. S.S. Agarwal	Member	Jaipur
40	Dr. Arun Kumar Borah	Member	Guwahati
41	Smt. Urmi De Baghel	Member	Kolkatta
42	Shri Rajender Singh Panghal	Member	Hisar
43	Dr. Swetma Mishara	Member	Noida
44	Shri Sujit Kumar IRS	Member	
45	Dr. Ajay Mall	Member	Kanpur
46	Shri Virendra Nath Pandey	Member	Itanagar
47	Shri Gopal Krishna ADV	Member	Vijaywada
48	Col. G. M. Khan	Member	Agra
49	Shri Rathin Bhadra	Member	Ranchi
50	Shri B. P. Yadav	Member	Chandigrah
51	Shri Prem Sadotra		
52	Shri Bhupesh Tyagi		
53	Shri Anil Garg		

Images



عالم رہے وہ کچھ کج بھارت کے نہ صرف پاکستان کو متاثر نہ ہو گا، وہ بلکہ کلین ازم کی بھی
جائی گامک بھی سخت و طاہرہ یا انہوں نے کچھ کج بھارت اب عالمی معیار کا ایک ناقصہ ملک
کے طور پر ابھرا ہے۔ مگر 1960-1970ء میں بھارت نے جس مضبوطی سے عالمی
مستطرات عالمی معیاری کی تھی اس کی ترقی سے اس کی ترقی کے ساتھ ساتھ کچھ کج بھارت کے
ترقیہ دہی کی کج بھارت کے لئے اس کے لئے کج بھارت کے لئے یہ ہو جاتی ہے کہ یہ کج بھارت کے
جے۔ اے۔ ایم کے لئے کج بھارت کے لئے کج بھارت کے لئے کج بھارت کے لئے کج بھارت کے لئے
کج بھارت کے لئے کج بھارت کے لئے کج بھارت کے لئے کج بھارت کے لئے کج بھارت کے لئے

[illegible][illegible][illegible]

ابو اپنے برائے سے باز آیا۔ جناب! حضور نے کہا، ”اے ہم کرہائی! تم اور سونے والا، ذائقہ آب کی طرح سٹوک کرنے کے ذیل کی غفلت موجود تھے۔“

ہے اپنی شہزادہ کیس کے مہمان شہزادہ ارمان کمار،
ایڈووکیٹ وریندر کمار چوہدری، ڈاکٹر بھوپندر مسابو،
توفیر راہو، راجیش مہاشن، کرن خادمہ خان، ڈاکٹر
ورجیا، پرجا شہزاد، ڈاکٹر ایم کی، ڈاکٹر ایس، پتھر
نگو، سنگو وغیرہ۔

[illegible]

جہاں ہر طرف سے ہمارے دوستوں کی دعاؤں کی آواز آ رہی ہے۔ ہمارے دل میں یہ بات گونج رہی ہے کہ ہمیں اپنے ملک کی خدمت کے لیے اپنی زندگی وقف کرنے کی ضرورت ہے۔

فی دہلی، ۱۲ جولائی (تین سالا شہزادہ سلیم دوست کرنا بھی ضروری ہے۔ میرزا داسے بھارتی دھڑے پر لڑا کرتا ہے، وہ

سیکسنگم (RSS) کی قومی علامت کے رکن اور **مذہب کی تبدیلی غیر اخلاقی** بھارت میں کچھ لوگ خود کو اپنی کچھ گرو یا سی

راشتر: suraksha ہمارے جاننے کے لیے اور غیر آئینی: ڈاکٹر کمار کہتے ہیں۔

۱) اکثر اندرویش گمارنے کہا ہے کہ بھارت، ماضی میں
 ۲) اکثر اندرویش گمارنے کہا ہے کہ بھارت، ماضی میں

کھوئے گئے آپ (رحمۃ اللہ تعالیٰ علیہ) کو غیر اخلاقی اور غیر آئینی (اور جے ہوئے) یہ تسلیم کیا

خبردار وہاں حاصل کرے گا۔ انہوں نے واضح کیا کہ بھارت میں ایسی سرزمینوں پر بحث رول ڈال کر کارنے حالیہ "آپ بلیک منڈو" کا ناکام

۱۔ اس جدوجہد میں ان لوگوں کا لگنے کی ضرورت ہے۔ انہوں نے کہا کہ بھارت دے دیے ہوئے کہا کہ بھارت کے لئے نہ صرف پاکستان

[illegible]

کے تصور کے لئے ان کا خیال دیکھنا ضروری ہے۔ انھوں نے جو خیالات بیان کیے ہیں، ان سے ظاہر ہوتا ہے کہ ان کے خیالات میں ایک خاص نوعیت کی تبدیلی آئی ہے۔

نے کہا: ہمارے پیش ہے دنیا کو امن کا ماحول دینا۔

نے اور تیار ہو گیا لیکن جو مصائب ہوئی ہے اسے نے کہا، "یہ افسوسناک ہے کہ جہاں ایک غیر ملکی انہوں نے مزید کہا،

स्वतंत्रता के बाद देश के राजनेता हॉलिडे मोड में रहे- विजय क्रांति

[illegible]

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के इस
बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा
कि जब वह करते हैं कि उनका देश
असुरीय है, तो यह दुःख है कि भारत में
यह लोग खुद को सिट्टी राजपूत हैं
और उसी मानसिकता में काम करते हैं।

हुनिज ले
ऑ इंट कूलर न ऑपरेसन सिस्ट
का उल्लेख करते हुए बताते हैं कि भारत ने
न केवल प्रकृतिमान को, बल्कि चीन
और तुर्की जैसे समर्थित देशों को भी
कठोर जवाब दिया है। भारत अब
सिस्टम का बचाव करेगी और अपना पूरी क्षमता

है। उन्होंने कहा, पिछले 10-11 ज्यों भारत में जिस क्रांति है, उसी पर उपस्थिति दर्ज कराई है, उसी के परिणामस्वरूप आज दुनिया भर में प्रभावशाली नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा देश शान्ति और समृद्धि का देश है।

ती लगा गई है। यह हर भारतीय के लिए
जहाँ की बात है। राजनेतों की 'संश्लेषित
लोग' से देश को पीछे रहाने-विजय कबो

ले किया गया बहुत बड़ा और
संश्लेषित या सम्मेलनस्थलों की सुलभता को
समर्थन सुझा के लिए जमीन तैयार

[illegible]

5 10 15 20 25 30 35 40 45 50 55 60 65 70 75 80 85 90 95 100

نئی دہلی، 14 جولائی۔ بینٹھل سیکج رنی جاگرن مَنج Forum for Awareness of) (FANS National Security کے تین روزہ دسویں سالانہ تقوی عام سہیا کا اختتام ”نومور پاکستان“ جیسے فیصلہ کن قومی بیغام کے ساتھ ہوا۔ ملک بھر سے آنے والے نمائندوں نے بھارت کی قومی سلامتی، سرحدی استحکام اور اسٹریٹجک سٹریٹجی پر سنجیدہ غور و فکر کیا۔ اختتامی اجلاس میں مَنج کے سرپرست اور دانشور یو ایس ایم سنگھ کے سینیٹر مفکر ڈالٹر اندریش کمار نے دو ٹوک انداز میں کہا: ”نومور پاکستان“ اب صرف ایک نعرہ نہیں رہا، بلکہ یہ بھارت کی قومی پالیسی کی سمت بن چکا ہے۔ ہمیں صرف سرحدوں کی ہی فحش، بلکہ نظریات کی بھی حفاظت کرنی ہے۔ جب تک پاکستان دہشت گردی کی جگہ پر تیار رہے گا، بھارت کی سیکج رنی مکمل نہیں ہو سکتی۔ ملک کی بچتی، اور سلامتی کے لیے نوجوانوں کو فیصلہ کن کردار گا۔“ انہوں نے خبرداروں کے مستقبل کا دور یادلات اور ثقافت کے تصادم کا دور ہوگا، اور بھارت کو ایک بیدار، متفکر اور امن کی طور پر مضبوط قوم بنانا ہوگا۔ ڈالٹر اندریش نے نوجوانوں سے اپیل کی کہ وہ قوم کی تعمیر نو کی مہم میں سرگرم شرکت کریں۔ جامعہ ملیہ اسلامیہ کے وائس چانسلر پروفیسر منظر آصف نے خطاب کرتے ہوئے کہا

”نومور پاکستان“ اب صرف نعرہ نہیں، قومی پالیسی کی سمت ہے: ڈاکٹر اندریش کمار نیشنل سیکورٹی جاگرن منیج کی 10 ویں سالانہ قومی عام سبھا کا کامیاب اختتام

26 جنوری 2026: ”اب

انوشاسن بی راشٹر کا جیون ہے“ موضوع پر لکچر

16 فروری 2026: کشی نگر سے

پشورہ گڑھ تک ”شوریہ یاترا“

23 جنوری 2026: ”بھارت

بھومی کو پرنام“ (عینا جی سبھا چندر بوس جینتی)

14 اپریل 2026: آئین دیوس

(بابا صاحب ڈاکٹر امبیڈکر جینتی)

شری لنگا نگر سے جموں تک ”وشال

بھارت یاترا“

مغربی بھارت کی اکائیوں نے

اعلان کیا کہ 14 اگست کو ”امر بھارت

ابھیان“ اور ”وشال بھارت بھومی سپریش

پروگرام“ منعقد کیا جائے گا۔

یہ یاترا 15 اگست کو دو در سے شروع

ہو کر 19 اگست کو جموں میں عظیم

راشٹر بھیکتی مارچ کے ساتھ اختتام پزیر

ہوگی۔

نمایاں شرکا، اور قومی عزم

عام سبھا میں منیج کے سینئر

عہدیداران، قومی سلامتی کے ماہرین،

تعلیم دان، سابق سرکاری افسران،

نوجوان نمائندگان اور ملک بھر کی 50

سے زائد اکائیوں سے آئے ہوئے

نمائندوں نے سرگرم حصہ لیا۔



قوم کی تعمیر نو کی مہم میں سرگرم شرکت کریں۔

قوم کی تعمیر میں نوجوانوں کا کردار:

پروفیسر مظہر آصف کا خطاب

جامعہ ملیہ اسلامیہ کے وائس چانسلر

پروفیسر مظہر آصف نے خطاب کرتے

ہوئے کہا:

”2014 کے بعد سے بھارت کی

عالمی شبیہ میں زبردست تبدیلی آئی ہے۔

وزیر اعظم نریندر مودی کی قیادت میں

بھارت 2047 تک ایک ترقی یافتہ ملک

بننے کی طرف بڑھ رہا ہے، اور آج دنیا

بھارت کو سنجیدگی سے دیکھ رہی ہے۔

نوجوانوں کو اب یہ سمجھنا ہوگا کہ ملک کی

ذمہ داری ان کے کندھوں پر ہے۔“

”نومور پاکستان“ ایک ہمہ گیر قومی مہم

عام سبھا کے ابتدائی سیشن میں آئندہ

پروگراموں کی تفصیلات پیش کی گئیں۔

ملک بھر کی مختلف اکائیوں نے ”نومور

پاکستان“، ”اکھنڈ بھارت سنکھپ“، ”نشہ

نئی دہلی: نیشنل سیکورٹی جاگرن منیج

Forum for Awareness)

of National Security

(FANS) کی تین روزہ دسویں سالانہ

قومی عام سبھا کا اختتام ”نومور پاکستان“

جیسے فیصلہ کن قومی پیغام کے ساتھ ہوا۔

ملک بھر سے آئے نمائندوں نے بھارت

کی قومی سلامتی، سرحدی استحکام اور

اسٹریٹجک چیلنجز پر سنجیدہ غور و فکر کیا۔

اختتامی اجلاس میں منیج کے

سرپرست اور راشٹر یہ سویم سیوک سنگھ

کے سینئر مفکر ڈاکٹر اندریش کمار نے

دو لوگ انداز میں کہا:

”نومور پاکستان“ اب صرف ایک

نعرہ نہیں رہا، بلکہ یہ بھارت کی قومی پالیسی

کی سمت بن چکا ہے۔ ہمیں صرف

سرحدوں کی ہی نہیں، بلکہ نظریات کی بھی

حفاظت کرنی ہے۔ جب تک پاکستان

دہشت گردی کی فیکٹری بنا رہے گا،

بھارت کی سیکورٹی مکمل نہیں ہو سکتی۔ ملک

کی یکجہتی، سالمیت اور سلامتی کے لیے

نوجوانوں کو فیصلہ کن کردار ادا کرنا ہوگا۔“

انہوں نے خبردار کیا کہ مستقبل کا دور

پانی، خیالات اور ثقافت کے تصادم کا دور

ہوگا، اور بھارت کو ایک بیدار، منظم اور

ثقافتی طور پر مضبوط قوم بننا ہوگا۔ ڈاکٹر

اندریش نے نوجوانوں سے اپیل کی کہ وہ

जर्नलिज़्म टुडे

■ वर्ष: 13

■ अंक: 98

■ नई दिल्ली

■ मंगलवार, 15 जुलाई 2025

■ पृष्ठ 08

■ मूल्य: 1 रुपये

Email : journalismstoday7@gmail.com

नो मोर पाकिस्तान अब केवल नारा नहीं, राष्ट्रनीति की दिशा: डॉ. इंद्रेश कुमार

जर्नलिज़्म टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली : राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की तीन दिवसीय 10वीं वार्षिक राष्ट्रीय आम सभा का तीसरा और अंतिम दिन नो मोर पाकिस्तान जैसे निर्णायक विचार के साथ सम्पन्न हुआ। देशभर से आए प्रतिनिधियों ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाई स्थिरता, और रणनीतिक चुनौतियों पर गहन चिंतन किया। समापन सत्र में मंच के मार्गदर्शक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ विचारक डॉ. इंद्रेश कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नो मोर पाकिस्तान केवल एक नारा नहीं रह गया है, यह अब राष्ट्र की नीति की दिशा बन चुका है। उन्होंने कहा, आज देश को सिर्फ सीमाओं की नई, बलिक विचारों की भी रक्षा करनी है। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री बना रहेगा, भारत की सुरक्षा अधूरी रहेगी। भारत की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए युवाओं को निर्णायक भूमिका निभानी होगी।

डॉ. इंद्रेश ने आगाह किया कि भविष्य का युग जल, विचार और



संस्कृति के टकराव का युग होगा। ऐसे में भारत को सजग, संगठित और सांस्कृतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे राष्ट्र के पुनर्निर्माण के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका: प्रो. मजहर आसिफ का संबोधन : सभा को संबोधित करते हुए प्रो. मजहर आसिफ, कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय ने कहा कि 2014 के बाद से भारत की वैश्विक छवि में

व्यापक बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और दुनिया अब भारत की गंभीरता से ले रही है। युवाओं को अब यह समझना होगा कि उनके कंधों पर राष्ट्र की जिम्मेदारी आ चुकी है। आम सभा के प्रथम सत्र में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। देशभर की इकाइयों ने नो मोर पाकिस्तान, अखंड भारत संकल्प, नशा मुक्त भारत और साइबर अपराध जागरूकता जैसे विषयों पर प्रस्तावित अभियानों की

जानकारी दी।

प्रमुख योजनाएं इस प्रकार रहीं:

14 अगस्त को अमृतसर, पटियाला, जम्मू-कश्मीर, कानपुर सहित विभिन्न शहरों में नो मोर पाकिस्तान पर जनजागरूकता कार्यक्रम। पठानकोट, लुधियाना, जालंधर में नशा मुक्ति अभियान। हिन्दू से हिमालय, नारी शक्ति जागरूकता अभियान जैसे अभियानों को संगठित रूप देने पर सहमति।

श्रीगंगानगर से जम्मू तक विशाल भारत यात्रा

पश्चिमी भारत की इकाइयों द्वारा 14 अगस्त को अमर भारत अभियान और विशाल भारत भूमि स्पर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

5-15 अगस्त के बीच विभिन्न संवाद कार्यक्रम और स्थानीय आयोजन होंगे। यह यात्रा बड़ोदरा से शुरू होकर 19 अगस्त को जम्मू में विशाल राष्ट्रभक्ति मार्च के साथ समाप्त होगी।

प्रतिनिधियों की भागीदारी

इस सभा में मंच के वरिष्ठ

पदाधिकारी, राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ, शिक्षाविद, सेवानिवृत्त अधिकारी, युवा प्रतिनिधि और देशभर की 50 से अधिक इकाइयों से आए प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की यह आम सभा केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं रही, बल्कि यह भारत की भावी रणनीति, सांस्कृतिक एकता और युवा शक्ति के संगठित प्रदर्शन का परिचायक रही। नो मोर पाकिस्तान अब सिर्फ एक नारा नहीं, एक संगठित और निर्णायक राष्ट्रीय अभियान बन चुका है। इससे पूर्व, आम सभा के दूसरे दिन का आयोजन दिल्ली के बख्तावरपुर में हुआ, जिसमें जल, सीमाई स्थिरता और राष्ट्र सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि जल युद्ध प्रारंभ हो चुका है और आने वाले समय में जल एक बड़ा हथियार साबित होगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र और गंगा जैसी नदियां हमारी सांस्कृतिक आत्मा हैं और इनकी रक्षा राष्ट्र रक्षा के समकक्ष है।

जल युद्ध प्रारंभ हो चुका है: इंद्रेश कुमार

नई दिल्ली। जल युद्ध प्रारंभ हो चुका है। जल आने वाले समय में एक बड़ा हथियार साबित होगा। सिंधु, ब्रह्मपुत्र और गंगा मां हमारी सांस्कृतिक आत्मा है। इनकी रक्षा राष्ट्र रक्षा से कम नहीं है। इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मार्गदर्शक श्रीइंद्रेश कुमार जी ने तीन दिवसीय 10 वीं वार्षिक राष्ट्रीय आम सभा के दूसरे दिन अपने संबोधन में कहा। उन्होंने आगे कहा कि जिस सिंधु के नाम पर हमारे देश का नाम हिंदुस्तान कहलाया, पाकिस्तान उसी के जल को हमारे खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। यह राष्ट्र सुरक्षा का मुद्दा है। वहीं ब्रह्मपुत्र भारत के पूर्वोत्तर का प्राणतत्व है लेकिन चीन द्वारा बनाया जा रहा डैम और जल



नियंत्रण इस क्षेत्र के को बाढ़ और सूखे की चपेट में ला सकता है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की दसवीं तीन दिवसीय वार्षिक राष्ट्रीय आम सभा के आयोजन का दूसरा दिन है। यह राष्ट्रीय आम सभा दिल्ली के बख्तावरपुर स्थित साहेब फार्म एंड रिजॉर्ट में किया जा रहा है। दूसरे दिन चार प्रमुख सत्रों का आयोजन किया गया। दूसरे दिन के पहले सत्र

में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के देशभर के विभिन्न इकाइयों ने अपने वार्षिक कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की देशभर में कुल सात क्षेत्र हैं जिसके अंतर्गत 45 इकाइयां आती हैं। इन सभी क्षेत्रों के इकाई के प्रतिनिधियों ने अपने वार्षिक कार्य का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

वहीं तीसरे सत्र में दिल्ली इकाई

अध्यक्ष मेजर जनरल सौरेश भट्टाचार्य ने 'क्षेत्रीय स्थिरता में भारत की उभरती नेतृत्वकारी भूमिका' पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत अब एशिया ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व में स्थिरता, शांति और संतुलन का नेतृत्वकर्ता बन रहा है। यह उभरती भूमिका केवल सैन्य या आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक नेतृत्व की पहचान है। उन्होंने अपने गहन विश्लेषण में बताया कि भारत की नीति, नीयत और नेतृत्व ने पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्रीय अस्थिरता के दौर में भी एक विश्वसनीय शक्ति के रूप में पहचान बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि जहां पाकिस्तान विफलता और कट्टरपंथ का उदाहरण बन गया है, वहीं भारत स्थिर लोकतंत्र, संयमित नेतृत्व और वैश्विक कूटनीति का प्रतीक बन चुका है।

News Link

- <https://www.surkhiyan.com/2025/07/india-will-reclaim-its-lost-wealth-and.html>
- <https://www.chirauri.com/we-will-take-back-the-lost-wealth-and-land-dr-indresh-kumar/>
- <https://rktvnews.com/news/118400>
- <https://urdu.bharatexpress.com/national/india-will-reclaim-its-lost-wealth-and-land-says-dr-indresh-kumar-gm-186816>
- <https://sahasasamay.in/states/we-will-take-back-the-lost-wealth-and-land-dr-indresh-kumar/>
- <https://bharatexpress.com/india/india-will-reclaim-lost-resources-land-rss-532327>
- <https://www.sabseaagenews.com/dr-indresh-kumar-called-religious-conversion-unconstitutional-we-will-take-back-our-lost-land-13418-9643470>
- <https://theindianawaaz.com/india-will-reclaim-lost-wealth-and-land-says-rss-leader-at-national-security-forum/>
- <https://www.mpnn.in/rashtriya-suraksha-jagran-manch/>
- <https://amarsandesh.com/shakti-will-not-speak-words-india-will-bring-lost-earth-and-dignity-dr-indresh-kumars-announcement/>
- <https://rktvnews.com/news/118708>
- <https://timesoftaj.com/2025/07/14/no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-it-is-the-direction-of-indias-national-policy-dr-indresh-kumar/>
- <https://timesoftaj.com/2025/07/14/no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-it-is-the-direction-of-national-policy-dr-indresh-kumar/>
- <https://urdu.bharatexpress.com/politics/no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-it-is-the-direction-of-indias-national-policy-indresh-kumar-adr-187077>
- <https://bharatexpress.com/india/10th-national-assembly-of-fans-concludes-with-no-more-pakistan-campaign-focus-on-national-security-533538>
- <https://english.bharatexpress.com/india/fans-convention-ends-with-bold-national-security-resolution-no-more-pakistan215435-215435>
- <https://www.sabseaagenews.com/dr-indresh-kumar-said-no-more-pakistan-is-no-longer-just-a-slogan-but-direction-of-national-policy-13447-1537202>
- <https://www.broadcastmantra.com/news-detail.php?slug=4581>